सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025-26

कक्षा:-7	विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक	पाठ:14 अंतिम युद्ध

मौखिक कौशल

1. रानी लक्ष्मीबाई ने दामोदर राव को सुरक्षित पहुँचाने का जिम्मा रामचंद्र देशमुख को दिया था।

2. दामोदर राव रानी लक्ष्मीबाई का दत्तक पुत्र था।

3. रानी लक्ष्मीबाई ने जूही को तोपखाने पर भेज दिया।

4. पेशवा की पलटन पर ब्रिगेडियर स्मिथ की पलटन ने आक्रमण किया।

5. घायल लक्ष्मीबाई को बाबा गंगादास की कुटी पर ले जाया गया।

लिखित कौशल

1. (क) रघुनाथसिंह ने मुंदरवाई से कहा कि रानी साड़िया का साथ एक क्षण के लिए भी न छूटने पाये। आज अंतिम मुद्ध लड़ने जा रही हैं।

(ख) रानी लक्ष्मीबाई ने रामचंद्र देशमुख को आदेश दिया कि दामोदर को आज तुम पीठ पर बाँधो। यदि में मारी जाऊँ तो इसको किसी प्रकार दक्षिण सुरक्षित पहुँचा देना। तुम्हें आज मेरे प्राणों से चढ़कर अपनी रक्षा की चिंता करनी होगी।

(ग) जूही को अपने जीवन का यथोचित अभिनय न दिखला पाने का अफसोस रह गया था।

(घ) अंग्रेज जनरल ने घुड़सवारों को कई दिशाओं में फैलाकर आक्रमण करने की योजना बनाई थी।

(ङ) ब्रिगेडियर स्मिथ की पलटन रानी के पीछे-पीछे चल रही पेशवा की पलटन पर दो ओर से झपटी। इससे पेशवा की पलटन घबरा गई। उसके पैर उखड़ गए। अंग्रेजों की संगीनें और तोपें उस पलटन का संहार कर उठीं। पेशवा की दो तोपें भी उनलोगों ने छीन लीं।

(च) तात्या टोपे कठिन-से-कठिन व्यूह में से होकर बच निकलने की रण-विद्या में निपुण थे।

(छ) लड़ते-लड़ते घायल रानी आगे निकल गईं। उन्होंने सोनरेखा नाले की ओर घोड़े को बढ़ाया। कुछ अंग्रेज घुड़सवार उनके पीछे-पीछे थे। एक गोरे ने पिस्तौल निकाली और रानी पर दाग दी। गोली उनकी बाईं जाँच में जा लगी। रानी ने दाएँ हाथ की तलवार फेंककर घोड़े की लगाम पकड़ी और दाएँ हाथ के वार से गोरे का काम तमाम कर दिया। रानी ने आगे बढ़ने के लिए घोड़े को एड़ लगाई। बहुत प्रयत्न करने पर भी घोड़ा अड़ा रहा। रानी को पीछे खिसकना पड़ा। जाँच में बहुत पीड़ा हो रही थी। पेट और जाँघ के चाव से खून के फव्वारे छूट रहे थे। इस बीच एक अन्य अंग्रेज सैनिक आगे बढ़ा और उसने रानी के सिर पर तलवार का वार किया। इससे रानी बुरी तरह घायल हो गईं। इसपर भी उन्होंने उस घातक पर तलवार चलाई और उसका कंधा काट दिया। इसके बाद रानी वीरगति को प्राप्त हो गईं।

(ज) रघुनाथसिंह ने देशमुख से कहा, "एक क्षण का भी विलंब नहीं करना चाहिए। अपने घोड़े पर इनको सावधानीपूर्वक रखो और बाबा गंगादास की कुटी पर ले चलो। सूर्यास्त होना ही चाहता है।"

(झ) रघुनाथसिंह ने गुलमुहम्मद को समझाया, "कुँवर साहब, इस प्रकार भावुक होने से काम और बिगड़ेगा। अंग्रेज अब भी मारते-काटते दौड़ धूप कर रहे हैं। यदि आ गए तो रानी साहिबा की देह का क्या होगा।"

2. (क) रानी लक्ष्मीबाई ने रामचंद्र देशमुख सेफ

(ख) रघुनाथसिंह ने रामचंद्र देशमुख से।

3. (क) शरबत (ख) एड़ (ग) तोपें (घ) कटार (ङ) गंगादास

मूल्यपरक प्रश्न

1. रानी लक्ष्मीबाई बहुत बहादुर थीं। अंग्रेजों की गुलामी उन्हें बिलकुल भी सहन नहीं थी इसलिए वे चाहती थीं कि सारी जाने के बाद भी अंग्रेज उनके शरीर को छू न पाएँ।

2. जूही के चरित्र में साहस, आज्ञापालन, निडरता तथा देश-प्रेम जैसे मानवीय गुणों की झलक मिलती है।